

भारत सरकार  
जल शक्ति मंत्रालय  
जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 1767  
जिसका उत्तर 05 दिसंबर, 2024 को दिया जाना है।

.....

राजस्थान में भू-जल का स्तर

**1767. श्री राहुल कस्वां:**

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या राजस्थान सहित सम्पूर्ण देश में भू-जल का स्तर लगातार गिरता जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;
- (ख) विगत पांच वर्षों के दौरान राजस्थान के संदर्भ में भू-जल स्तर का जिला-वार व्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार गिरते भू-जल स्तर के पुनर्भरण हेतु किसी योजना पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है; और
- (घ) क्या सरकार ने भू-जल स्तर के अध्ययन के संबंध में कोई रिपोर्ट प्रकाशित की है ताकि भविष्य में जल स्त्रोतों के पुनर्भरण हेतु कार्रवाई की जा सके और यदि हां, तो तत्संबंधी जिला-वार व्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

श्री राज भूषण चौधरी

(क): केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) राजस्थान सहित क्षेत्रीय स्तर पर देश भर में प्रत्येक वर्ष चार बार भूजल स्तर की निगरानी करता है। भूजल स्तर में दीर्घकालिक उतार-चढ़ाव का आकलन करने के लिए, नवंबर 2023 के दौरान सीजीडब्ल्यूबी द्वारा एकत्र किए गए जल स्तर के आंकड़ों की तुलना नवंबर के जल स्तर के दस वर्षों (2013-2022) के दशकीय औसत से की गई है। जल स्तर संबंधी आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि देश में निगरानी किए गए लगभग 51.7% कुओं में भूजल स्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। दशकीय जल स्तर में उतार-चढ़ाव का राज्यवार व्यौरा अनुलग्नक में दिया गया है। इसके अतिरिक्त, राजस्थान के संबंध में दीर्घावधि उतार-चढ़ाव संबंधी आंकड़ों के अवलोकन से पता चलता है कि राजस्थान में 33.60% कुओं में भूजल स्तर में वृद्धि दर्ज की गई है।

(ख): राजस्थान के संबंध में पिछले पांच वर्षों (2019-2023) की अवधि के लिए मापे गए जिलेवार भूजल स्तर के आंकड़े निम्नलिखित लिंक पर देखे जा सकते हैं: <https://jalshakti-dowr.gov.in/document/the-district-wise-groundwater-level-data-for-rajasthan-recorded-over-the-past-five-years-2019-2023/>

(ग): जल राज्य का विषय होने के कारण भूजल संसाधनों का सतत विकास और प्रबंधन मुख्यत राज्य सरकारों का उत्तरदायित्व है। तथापि, केन्द्र सरकार अपनी विभिन्न स्कीमों और परियोजनाओं के माध्यम से तकनीकी और वित्तीय सहायता के माध्यम से राज्य सरकारों के प्रयासों को सुगम बनाती है। इस दिशा में, जल शक्ति मंत्रालय और अन्य केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा देश में भूजल स्तर में सुधार और भूजल संसाधनों के सतत विकास के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदम नीचे दिए गए हैं:-

- i. सरकार 2019 से देश में जल शक्ति अभियान (जेएसए) लागू कर रही है जो वर्षा संचयन और जल संरक्षण गतिविधियों के लिए एक मिशन मोड और समयबद्ध कार्यक्रम है। वर्तमान में देश में जेएसए 2024 लागू किया जा रहा है, जिसमें राजस्थान के 10 ऐसे जिलों सहित देश के 151 जल संकट वाले जिलों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जेएसए एक छत्र अभियान है जिसके तहत विभिन्न केंद्रीय और राज्य योजनाओं के सम्मिलन में विभिन्न भूजल पुनर्भरण और संरक्षण संबंधी कार्य किए जा रहे हैं।
- ii. भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण के लिए मास्टर प्लान-2020 को सीजीडब्ल्यूबी द्वारा राजस्थान सहित पूरे देश के लिए तैयार किया गया है और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझा किया गया है, जिसमें 185 बीसीएम (बिलियन क्यूबिक मीटर) का दोहन करने के लिए देश में लगभग 1.42 करोड़ वर्षा जल संचयन और कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान की गई है। राजस्थान में मास्टर प्लान में 7.7 लाख ढांचों के निर्माण की सिफारिश की गई है।
- iii. सीजीडब्ल्यूबी ने जलभृत विस्थापन और उनके लक्षण-वर्णन की रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय जलभृत मानचित्रण और प्रबंधन कार्यक्रम (एनएक्यूआईएम) शुरू किया है। राजस्थान के 3.34 लाख वर्ग किमी सहित लगभग 25 लाख वर्ग किमी के देश के पूरे मैप योग्य क्षेत्र को योजना के तहत मैप किया गया है और कृत्रिम पुनर्भरण के लिए सिफारिशों सहित प्रबंधन योजनाओं को कार्यान्वयन के लिए संबंधित राज्य सरकारों के साथ साझा किया गया है।
- iv. जल शक्ति मंत्रालय, अटल भूजल योजना का कार्यान्वयन कर रहा है, जो 7 राज्यों में, जिनमें राजस्थान एक है, जल की कमी वाले 80 जिलों में भूजल के मांग पक्ष प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए भागीदारी भूजल प्रबंधन के लिए एक समुदाय आधारित स्कीम है।
- v. कृषि और किसान कल्याण विभाग (डीए एंड एफडब्ल्यू), भारत सरकार, 2015-16 से राजस्थान सहित देश में प्रति बूंद अधिक फसल योजना लागू कर रहा है, जो सूक्ष्म सिंचाई के माध्यम से खेत स्तर पर जल उपयोग दक्षता बढ़ाने और उपलब्ध जल संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिए बेहतर ऑन-फार्म जल प्रबंधन प्रथाओं पर केंद्रित है।
- vi. मिशन अमृत सरोवर भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया था जिसका उद्देश्य राजस्थान सहित देश के प्रत्येक जिले में कम से कम 75 जल निकायों का विकास और कायाकल्प करना था। इसके परिणामस्वरूप, देश में लगभग 69,000 अमृत सरोवर का निर्माण/कायाकल्प किया गया है।

- vii. देश में भूजल विकास और प्रबंधन के विनियमन और नियंत्रण के उद्देश्य से पर्यावरण (सुरक्षा) अधिनियम, 1986 की धारा 3(3) के अंतर्गत केन्द्रीय भूमि जल प्राधिकरण (सीजीडब्ल्यूए) का गठन किया गया है। देश में भूजल की निकासी सह उपयोग को सीजीडब्ल्यूए द्वारा उनके दिनांक 24.09.2020 के दिशानिर्देशों के प्रावधानों के अनुसार एनओसी जारी करके विनियमित किया जाता है।
- viii. जल शक्ति अभियान की गति को और मजबूत करने के लिए, जल संचय जन भागीदारी: भारत में जल संपोषणीयता के लिए एक समुदाय-संचालित पथ को 6 सितंबर, 2024 को सूरत, गुजरात में माननीय प्रधान मंत्री द्वारा देश में वर्षा जल संचयन को एक जन आंदोलन बनाने की घट्टि से शुरू किया गया है। सामुदायिक स्वामित्व और जिम्मेदारी को बढ़ावा देकर, यह पहल विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट जल चुनौतियों के अनुरूप लागत प्रभावी, स्थानीय समाधान विकसित करना चाहती है।
- ix. देश में भूजल की स्थिति में सुधार के लिए भारत सरकार की कई अन्य महत्वपूर्ण पहलों का विवरण नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से देखा जा सकता है- <https://jalshakti-dowr.gov.in/document/steps-taken-by-the-central-government-to-control-water-depletion-and-promote-rain-water-harvesting-conservation/>
- घ) जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, केन्द्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) पूरे देश में क्षेत्रीय स्तर पर हर साल चार बार भूजल स्तर की निगरानी करता है। भूजल स्तरों के इन आवधिक मापों के आधार पर सीजीडब्ल्यूबी राज्यों के साथ-साथ पूरे देश के लिए भूजल वर्ष पुस्तिकाएं तैयार करता है। अलग-अलग वर्षों की ऐसी वार्षिक पुस्तिकाएं सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं और इन्हें सीजीडब्ल्यूबी की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया गया है। उन्हें निम्नलिखित वेब लिंक के साथ एक्सेस किया जा सकता है: <https://cgwb.gov.in/en/ground-water-level-monitoring>

\*\*\*\*\*

“राजस्थान में भू-जल का स्तर” विषय पर दिनांक 05.12.2024 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 1767 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

राज्य-वार दशकीय जल स्तर में उत्तर-चढ़ाव; मॉनसून के बाद (2013 से 2022) तथा मॉनसून 2023 के बाद के मीन की तुलना

क्र. सं.	राज्य का नाम	विश्लेषित कुओं की संख्या	विभिन्न रेंज की गहराई में कुओं की संख्या												कुओं की संख्या	कुओं का कुल प्रतिशत		
			चढ़ाव						उत्तर									
			0 से 2	%	2 से 4	%	> 4	%	0 से 2	%	2 से 4	%	> 4	%	चढ़ाव	उत्तर	चढ़ाव	उत्तर
1	आंध्र प्रदेश	693	92	13.3	27	3.9	34	4.9	381	55.0	119	17.2	40	5.8	153	540	22.08	77.92
2	अरुणाचल प्रदेश	21	3	14.3	1	4.8	0	0.0	16	76.2	1	4.8	0	0.0	4	17	19.05	80.95
3	असम	209	97	46.4	7	3.3	0	0.0	92	44.0	8	3.8	5	2.4	104	105	49.76	50.24
4	बिहार	606	226	37.3	27	4.5	0	0.0	327	54.0	21	3.5	4	0.7	253	352	41.75	58.09
5	छत्तीसगढ़	692	340	49.1	42	6.1	4	0.6	260	37.6	32	4.6	13	1.9	386	305	55.78	44.08
6	गोवा	80	49	61.3	3	3.8	2	2.5	24	30.0	0	0.0	2	2.5	54	26	67.50	32.50
7	गुजरात	503	193	38.4	67	13.3	47	9.3	148	29.4	28	5.6	19	3.8	307	195	61.03	38.77
8	हरियाणा	577	170	29.5	54	9.4	33	5.7	184	31.9	67	11.6	69	12.0	257	320	44.54	55.46
9	हिमाचल प्रदेश	52	28	53.8	0	0.0	3	5.8	20	38.5	0	0.0	1	1.9	31	21	59.62	40.38
10	झारखण्ड	230	90	39.1	12	5.2	3	1.3	101	43.9	14	6.1	10	4.3	105	125	45.65	54.35
11	कर्नाटक	1160	403	34.7	69	5.9	32	2.8	501	43.2	116	10.0	37	3.2	504	654	43.45	56.38
12	केरल	1169	809	69.2	51	4.4	6	0.5	284	24.3	13	1.1	5	0.4	866	302	74.08	25.83
13	मध्य प्रदेश	1060	397	37.5	101	9.5	47	4.4	385	36.3	87	8.2	43	4.1	545	515	51.42	48.58
14	महाराष्ट्र	1387	549	39.6	96	6.9	37	2.7	512	36.9	119	8.6	71	5.1	682	702	49.17	50.61
15	मेघालय	29	12	41.4	0	0.0	0	0.0	17	58.6	0	0.0	0	0.0	12	17	41.38	58.62
16	नागालैंड	9	3	33.3	1	11.1	0	0.0	4	44.4	1	11.1	0	0.0	4	5	44.44	55.56
17	ओडिशा	1133	576	50.8	35	3.1	8	0.7	442	39.0	59	5.2	13	1.1	619	514	54.63	45.37
18	पंजाब	176	47	26.7	8	4.5	6	3.4	64	36.4	24	13.6	27	15.3	61	115	34.66	65.34
19	राजस्थान	753	146	19.4	69	9.2	38	5.0	223	29.6	121	16.1	156	20.7	253	500	33.60	66.40
20	तमिलनाडु	771	285	37.0	154	20.0	121	15.7	163	21.1	34	4.4	14	1.8	560	211	72.63	27.37
21	तेलंगाना	616	156	25.3	76	12.3	82	13.3	223	36.2	46	7.5	33	5.4	314	302	50.97	49.03
22	त्रिपुरा	63	20	31.7	1	1.6	0	0.0	37	58.7	4	6.3	1	1.6	21	42	33.33	66.67
23	उत्तर प्रदेश	606	275	45.4	31	5.1	9	1.5	229	37.8	47	7.8	15	2.5	315	291	51.98	48.02
24	उत्तराखण्ड	147	58	39.5	20	13.6	12	8.2	43	29.3	10	6.8	4	2.7	90	57	61.22	38.78
25	पश्चिम बंगाल	573	325	56.7	11	1.9	1	0.2	213	37.2	18	3.1	5	0.9	337	236	58.81	41.19
26	अंडमान और निकोबार	108	72	66.7	0	0.0	0	0.0	36	33.3	0	0.0	0	0.0	72	36	66.67	33.33
27	चंडीगढ़	12	6	50.0	0	0.0	0	0.0	1	8.3	1	8.3	4	33.3	6	6	50.00	50.00
28	दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली	23	13	56.5	0	0.0	0	0.0	8	34.8	1	4.3	1	4.3	13	10	56.52	43.48
29	दिल्ली	58	22	37.9	13	22.4	8	13.8	6	10.3	5	8.6	4	6.9	43	15	74.14	25.86
30	जम्मू और कश्मीर	211	121	57.3	3	1.4	0	0.0	79	37.4	7	3.3	1	0.5	124	87	58.77	41.23
31	पुड़चेरी	7	4	57.1	1	14.3	0	0.0	2	28.6	0	0.0	0	0.0	5	2	71.43	28.57
	कुल	13734	5587	40.7	980	7.1	533	3.9	5025	36.6	1003	7.3	597	4.3	7100	6625	51.70	48.24